बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज की ओर से माननीय केन्द्रीय रेल मंत्री को दिए जानेवाले रेलवे से संबंधित प्रमुख बिन्दु

बिहार में रेलवे की लम्बित परियोजनाओं का शीघ्र प्रारम्भ

बिहार के सभी Sanctioned Rail Project के लिए बजट में पर्याप्त राशि का प्रावधान किया जाए तथा इसे ससमय पूरा कराया जाए जिससे कि राज्य के आर्थिक विकास को और गति मिल सके जो निम्नलिखित है :–

1. नयी रेल लाईन
2. रेल लाईनों का दोहरीकरण
3. आमान परिवर्तन (Gauge Conversion)
4. रेलवे द्वारा घोषित Workshop का आधुनिकीकरण

रैक आपूर्ति के संबंध में

बिहार के बाहर करीब–करीब सभी प्रदेशों में दूसरे स्थान में माल भेजने एवं मंगाने हेतु 2 से 3 दिन में रैक की आपूर्ति हो जाती है परन्तु देश के किसी भी प्रान्त से बिहार में माल भेजने एवं मंगाने हेतु रैक की आपूर्ति में काफी लम्बा समय लग जाने के कारण व्यवसायी अपना सामान समय से नहीं मंगा पाते हैं जिससे उनका तो आर्थिक नुकसान होता ही है साथ ही रेलवे का राजस्व भी प्रभावित होता है । राज्य में एक माह से पहले रैक की आपूर्ति नहीं होती है । कुछ रैक की आपूर्ति पिछले छः माह से नहीं हो सकी है । कुल बकाया (outstanding) रैक्स (Rakes) उत्तर बिहार के लिए ही लगभग 2000 से भी ज्यादा है। इसके चलते राष्ट्रीय राजमार्ग (NH), स्टेट राजमार्ग (SH), भवन, पुल आदि का काम पूरी तरीके से ठप्प पड़ा हुआ है और प्रधानमंत्री पैकेज से राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण हेतु प्राप्त 54000 करोड़ रूपये का उपयोग पूरी तरीके से नही हो पा रही है।

नये रैक साइडिंग से संबंधित सुझाव

राज्य में मालों की आपूर्त्ति रेलवे के रेकों द्वारा सही समय पर उपलब्ध कराने हेतु बिहार राज्य में अतिरिक्त नये रेक साइडिंग की व्यवस्था की जानी चाहिए । बिहार के प्रत्येक जिले में अतिरिक्त रेक साइडिंग की व्यवस्था होनी चाहिए जिसके साथ यार्ड की सुविधा भी उपलब्ध हो । साथ ही वर्तमान रैक साइडिंग पर बुनियादी सुविधाओं यथा – स्वच्छ जल, सफाई, शेड, पर्याप्त रौशनी आदि की व्यवस्था सुनिश्चित किया जाना चाहिए ।

(a) फतुहाँ– दानापुर (नेऊरा) साइडिंग में काफी भार है। इसलिए पटना के नजदीक एक नयी Multiple Rake Siding with Associated Facilities बनायी जानी चाहिए।

(b) फतुहाँ कंटेनर टर्मिनल को कंटेनर हैण्डलिंग की पूर्ण सुविधाओं एवं कंटेनर यार्ड में कंटेनर स्टौकिंग के साथ चालू किया जाना चाहिए।

क्रमशः..........2

(c) Rake Siding के संबंध में चैम्बर का सुझाव से संबंधित सूची Annexure - A के रूप में संलगन है ।

बिहार के लम्बित परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करना

यह अत्यंत संतोष की बात है कि रेलवे ने बिहार के लिए निम्न परियोजनाओं की घोषणा की है, लेकिन उपरोक्त सभी परियोजनाएँ काफी दिनों से लंबित हैं, अतः हमारा आग्रह है कि इन परियोजनाओं को जल्द पूरा कराने की कार्रवाई की जानी चाहिए :–

1. डालमियानगर में रेल डब्बा कारखाना
2. गड़हरा मे डब्बा मरम्मती कारखाना/वैगन वर्कशोप गड़हरा
3. समस्तीपुर में लोको शेड एवं मरम्मत कारखाने का विस्तार
4. गरखा में रेल डब्बा पुर्ननिर्माण कारखाना का विस्तार
5. जमालपुर वर्कशोप
6. सोनपुर में नया डेमू शेड

नयी रेलवे लाइन

(i) पटना होते हुए झाझा से पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन (मुगलसराय) के बीच दो अतिरिक्त ट्रैक के निर्माण का कार्य शीघ्र शुरू की जानी चाहिए जिससे कि मालगाड़ी एवं एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन पटना से हो सके । पटना में दो रेल लाइन अंग्रेज के समय में बना था उसमें को बढ़ोत्तरी नहीं हुई है ।

(ii) सभी ट्रेनें जो की नार्थ इस्ट स्टेट, पश्चिम बंगाल, उड़िसा, झारखण्ड से उत्तर प्रदेश, नार्थ इंडिया की ओर जाती है उसे बिहार से होते हुए गुजरना पड़ता है। जिसके कारण बिहार की रेल लाईन पर लगभग 150 से 200% तक भार (Saturated) है। इसलिए नये अतिरिक्त रेल लाईन खासकर मालगाड़ियों के आवागमन के लिए अत्यन्त आवश्यक है ।

(iii) वैशाली को रेल से जोड़ने के लिए प्राथमिकता से काम होना चाहिए। तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेयी द्वारा उद्घाटन के बाद कार्य की गति नगण्य है ।

(iv) शेखपुरा–नेउरा भाया दनियावाँ रेलवे लाईन का कार्य यथाशीघ्र पूर्ण कराया जाए जिससे कि इस लाईन पर गाड़ियों का परिचालन प्रारम्भ हो सके ।

(v) दोहरीकरण एवं गेज कनवर्सन का कार्य भी प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाना चाहिए ।

(vi) किउल नदी के उपर पुराने पुल के समानान्तर जो नया पुल निर्माणाधीन है उसे शीघ्रातिशीघ्र पुरा किया जाये।

पूर्व मे घोषित नयी रेल लाइनों का समयबद्ध कार्यान्वयन का आग्रह

अनेक नयी रेलवे लाइनों की घोषणा हो चुकी है, परन्तु उनका कार्यान्वयन वर्तमान में लम्बित है अतः निम्नांकित नयी रेल लाइनों को यथा शीघ्र पूरा कराने की कार्रवाई की जाए । जैसे– नवादा–लक्ष्मीपुर, गया–बोधगया,चतरा–नटेसर, आरा–भभुआ, मुजफ्फरपुर–दरभंगा, कुरसैला– बिहारीगंज, सीतामढ़ी–जयनगर–निर्मली, दरभंगा– कुशेश्वर स्थान, सकरी– हसनपुर एवं खगड़िया– कुशेश्वर स्थान ।

क्रमशः..........3

माल यातायात से संबंधित सुझाव

(a) रेलवे माल को देरी से हटाने पर पेनाल्टी लगाता है। सामान्य परिस्थिति मे तो माल हटाने में देरी करने पर पेनाल्टी लगाना उचित है परन्तु जब सारी परिस्थितियाँ ही व्यापारी के विपरीत है तथा " Force Majeure Clause " के अन्तगर्त हो फिर भी रेलवे पेनाल्टी लगाता है तथा व्यापारियों द्वारा पेनाल्टी को माफ करने के आवेदन को निर्धारित समय में निष्पादन Merit के आधार पर किया जाना चाहिए इसलिए इस संबंध मे उचित मार्गदर्शक दस्तावेज जारी करने की आवश्यकता है जिससे जमीनी हकीकत के आधार पर सही निर्णय लिया जा सके।

(b) रेलवे का रैक पहुँचने पर मात्र 9 घंटा का समय खाली कराने को दिया जाता है जबकि बराबर रैक रात में ही पहुँचता है और उस समय मजदूर एवं ट्रकें उपलब्ध नहीं होने के कारण लगभग सभी व्यवसायियों को जुर्माना भरना पड़ता है अत: रैक खाली कराने के लिए कम से कम 15 घंटा का समय दिया जाना चाहिए ।

(c) सहरसा, लहेरियासराय, बिहारशरीफ में रेलवे साइडिंग मध्य शहर मे स्थित है जहाँ आठ बजे सुबह से नौ बजे रात्री तक नो–इण्ट्री लगा दी जाती है जिससे व्यापारियों को माल हटाने के लिए बहुत कम समय मिलता है इसलिए इन स्थानों में वैकल्पिक रेलवे साइडिंग की व्यवस्था होनी चाहिए ताकि माल यातायात एवं उनका वितरण सुगमता से हो सके।

रेलवे को सामानों की आपूर्त्ति से संबंधित सेवायें

(a) भारत सरकार ने सभी प्रकार के खरीद में MSME Units से खरीद हेतु प्रतिशत निर्धारित किया है अत: उसका अनुपालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए । स्थानीय खरीद हेतु स्थानीय अनुशांगी उद्योगों को विकसित किया जाये ।

(b) आज पूर्व मध्य रेलवे में अधिकांश खरीद ई–टेंडर के माध्यम से की जाती है । ई–टेंडर में प्रावधान रहता है कि सामान रेलवे Consignee को पहुँचने पर कुल कितना खर्च रेलवे को देना होगा (मुल्य + टैक्स + Actual freight) उसकी तुलना हो । कई टेंडर में कोई क्लाउज के तहत भाड़ा/टैक्स को अलग कर दिया जाता है जिससे रेलवे को नुकसान होता है एवं बिहार के उद्यमियों को भी नुकसान होता है । इसकी विसंगतियों को देखने की आवश्यकता है ।

यात्री सुविधाएँ

महोदय, आमजनों की भांति राज्य के उद्यमी एवं व्यवसायी भी रेलवे के सक्रिय उपभोक्ता हैं अत: यात्री सुविधाओं को और बेहतर बनाने हेतु हमारा निम्नलिखित सुझाव है –

(i) पटना–मुंबई, पटना–राँची, पटना–लखनऊ, पटना–दिल्ली, पटना–पुणे, पटना–बैगलुरू, पटना–चेन्नई तथा पटना–हैदराबाद के बीच दुरंतो चलायी जानी चाहिए ।

(ii) पटना से कानपुर के बीच शताब्दी ट्रेन चलायी जानी चाहिए ।

(iiii) पटना से नई दिल्ली एक और राजधानी एक्सप्रेस चलाये जाने की आवश्यकता है ।

(iv) पटना से जबलपुर नई ट्रेन चलायी जानी चाहिए ।

(v) पटना से हावड़ा दुरन्तो प्रतिदिन चलाया जाना चाहिए । साथ ही पटना से हावड़ा चलनेवाली जनशताब्दी को रविवार के दिन भी चलायी जानी चाहिए ।

क्रमश:..........4

(vii) धुंध एवं कोहरा में ट्रेन बिलम्ब से नहीं चले इसके लिए आवश्यक है अत्याधुनिक सिग्नल व्यवस्था लगायी जाए ।

(viii) यात्रि सुरक्षा के लिए सभी लम्बी दूरी की गाड़ियों के सभी कोचों में सुरक्षाकर्मी की पर्याप्त व्यवस्था एवं सीसीटीवी लगायी जाए ।

(ix) मेट्रो रेल की तर्ज पर सभी ट्रेनों में गुजरनेवाले स्टेशन का नाम प्रदर्शित करने की व्यवस्था की जानी चाहिए ।

(x) महानगरों की भांति पटना एवं इसके आसपास के यात्रियों के लिए उपनगरीय रेल सेवा प्रारम्भ की जानी चाहिए

(xi) पटना–कोचीन एक्सप्रेस (6309/6310) को प्रतिदिन दिन चलाया जाना चाहिए और इसे सुपरफास्ट बनाया जाना चाहिए। चूँकि दक्षिण भारत जाने वाले यात्रियों के लिए यह एक महत्वपूर्ण गाड़ी है, इसलिए इसमें ज्यादा यात्री डब्बे लगने चाहिए।

(xii) दूसरे प्रान्तों से पटना आनेवाली तथा पटना से जानेवाली सभी लम्बी दूरी की गाड़ियों मे पैन्ट्रीकार एवं जीवन रक्षक दवाओं की सुविधा होनी चाहिए ।

(xiii) राजेन्द्र नगर रेलवे स्टेशन जाने के लिए राजेन्द्रनगर की ओर से प्रवेश एवं निकास हेतु अधिकारियों के आश्वासन के बावजूद भी अभी तक रास्ता नही बनाया गया है। यदि ये रास्ता बन जाए तो पटना जंक्शन स्टेशन पर यात्रियों का बोझ काफी घटेगा।

****

<u>**दिनांक : 12 अगस्त 2018**</u>

Annexure - A

RAKE SIDING SUGGESTION LIST

A. DIVISION – **MUGHALSARAI (MGS)**

Following Half rake siding should be converted in full rake siding;

1. Anugrah Narayan Road
2. Manpur
3. Nabinagar
4. Rafiganj

B. DIVISION – **DANAPUR (DNR)**

Following Locations one more rake siding should be provided:

1. Arrah
2. Buxar
3. Biharsharif
4. Fatuha

Following Half rake siding should be converted to full rake siding;

5. Jehanabad
6. Mokamah

To meet demand of state capital Patna rake siding should be provided at

7. Punpun (remark proposed goods terminal/ rake sidings with new line linking Sheikhpura, Biharsharif, Punpun should be completed)
8. Daniyawa
9. Taregana (Masauri)

New rake siding should be provided at

10. Bakhtiyarpur
11. Barh

C. DIVISION – **SONPUR (SEE)**

Following Locations one more rake siding should be provided

1. Karpurigram
2. Khagaria
3. Narayanur Anant (goods terminal) for bulk cargo in loose
4. Mansi
5. Kursela – half rake siding should be converted to full rake siding

New rake siding should be provided:

Two new rake sidings are required near Hajipur in Vaishali district and suggested locations are:

i) Ghoswar
ii) Bhagwanpur
iii) Chakmakrand (CKRD)
iv) Akshayavat Rai Nagar (AYRN)

New rake siding should be provided at

6. Sahpur Patoree

D. DIVISION – SAMASTIPUR(SPJ)

One More Rake siding should be provided:

1. Motihari

New rake siding should be provided at following:

1. Banmankhi Jn.
2. Madhubani

Half rake siding should be converted to full rake siding:

1. Narkatiaganj
2. Jaynagar

****